नज़िाम की तलवार की वापसी

14वीं सदी की औपचारकि तलवार जो 20वीं सदी की शुरुआत में हैदराबाद में एक ब्रटिशि जनरल को बेची गई थी, को भारत में वापस लाने की तैयारी की जा रही है।

- यह तलवार उन सात वस्तुओं में शामलि है जनि्हें ग्लासगो लाइफ (जो ग्लासगो के संग्रहालयों का प्रबंधन करती है) द्वारा स्वदेश भेजा जा रहा है।

//

तलवार:

- **तलवार का इतहिास:**
    - तलवार का प्रदर्शन हैदराबाद के नज़िाम महबूब अली खान, आसफ जाह VI (वर्ष 1896-1911) **द्वारा** दलि्ली या इंपीरयिल दरबार में वर्ष 1903 में कयिा गया था, जो भारत के सम्राट और महारानी के रूप में राजा एडवर्ड सप्तम और रानी एलेक्जेंड्रा के राज्याभषिक के उपलक्ष्य में आयोजति एक औपचारकि स्वागत समारोह था।
    - तलवार को वर्ष 1905 में बॉम्बे कमांड के कमांडर-इन-चीफ, जनरल सर आर्चीबाल्ड हंटर द्वारा (1903-1907) महाराजा कशिन प्रसाद जो हैदराबाद के बहादुर यामीन उस-सुल्तान के प्रधानमंत्री थे, से खरीदा गया था।
    - कशिन प्रसाद महाराजा चंदू लाल के परविार से थे, जो दो बार नजिाम सकिंदर जाह के प्रधानमंत्री रहे।
    - कशिन प्रसाद को उनकी उदारता के लयि जाना जाता था, वहीं उन्हें अपनी मोटरकार का पीछा करने वाले लोगों के लयि सक्किे लुटाने हेतु भी जाना जाता था।
    - तलवार को सर हंटर के भतीजे, मसि्टर आर्चीबाल्ड हंटर सर्वसि ने वर्ष 1978 में ग्लासगो लाइफ- संग्रहालय के लयि दान कर दयिा था।
- **वशिषताएँ:**
    - साँप के आकार की तलवार में दाँतेदार कनिारे और दमशि्क पैटर्न है, जसिमें हाथी-बाघ की सोने की नक्काशी हुई है।
- **ग्लासगो में अन्य भारतीय वस्तुएँ:**
    - छह वस्तुओं में 14वीं शताब्दी की कई नक्काशी और 11वीं शताब्दी के पत्थर के दरवाजे शामलि हैं। उन्हें 19वीं सदी में पूजास्थलों और मंदरिों से चुरा लयिा गया था।

स्रोत: द हदिू

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/return-of-nizam-s-sword